ऊँची दुकान फीके पकवान

1–बात–बात में कहेंगें कि मैं इतने दिन से ज्ञान में चल रहा हूँ,दूसरों को दिखायेंगें कि तुम अभी नये हो – पर जीवन में देंखें वा व्यवहार में देंखें तो ज्ञान जीवन में अभी तक कुछ नहीं चल रहा है,बात–बात में नाराज हो जाते,फीलिंग आती,चंचलता तो जरा भी नहीं गयी।

2–मधुबन में रहते हैं यह सभी को बिना पूँछें ही बताते रहते हैं – पर मधुबन का असर तो जरा भी नहीं दिखता अर्थात जीवन में वैराग्य व तपस्या तो दिखती नहीं,चलन में रॉयल्टी व मधुरता तो दिखती नहीं। बात–बात में झुंझलाहट आती रहती है।

3–हम इतने सालों से समर्पित हैं ट्रायल पर नहीं हैं तम्हें पता नहीं कि हम लोंगों ने क्या–क्या किया, कितनी मेहनत की है जो तुम लोग सोच भी नहीं सकते वह हम लोंगों ने किया है अभी अगर तुम लोगों को करने के लिए कहा जाए, तो छोड़ के भाग जाओगे,जब हम यज्ञ में आये तो, तब यहाँ कुछ भी नहीं था,त्याग तो हम लोगों ने किया है,पर अभी तो इतनी सुविधाओं के बाद भी असन्तुष्ट रहते हैं कि मैं इतना पुराना और नये लोगों को देखो कैसे हाई–फाई चीजें लेकर घूमते हैं,संग्रह वृति कितनी है,अभी तो बस मिलने जुलने में ही समय जा रहा है।

4–दो बजे उठकर दूसरों को दिखायेंगें कि मैं कितना श्रेष्ठ पुरूषार्थी हूँ पर अमृतवेला और मुरली क्लास में नींद करते अर्थात झुटके खाते।

5–बाबा कहते कि तुम बच्चों से सुगन्ध आनी चाहिए–तो इतनी परफ्युम लगाते कि और ही कोई योग में बैठा हो या अशरीरी स्थिति का अभ्यास कर रहा हो तो देहभान में ले आये।

6– बाबा कहते कि तुम्हारी पर्सनैलिटी प्रभावशाली एवं रॉयल होनी चाहिए तो बाल भी काले कर लेंगे, कपड़े भी हमेशा जोरदार रखेंगें और कोई ऐसी–वैसी छोटी–छोटी सेवाएं भी नहीं करेंगें,वाह्य पर्सनैलिटी ऐसी दिखायेंगें कि हम बहुत रॉयल हैं पर व्यक्तित्व व चलन में वही पुरानापन, छोटी–छोटी बातों का चिन्तन वा दिलशिकस्ती, आदि –आदि।

7–रूम में चारों ओर बाबा के फोटो,फोन में बाबा का फोटो,बाबा की ही कॉलर ट्यून, अँगूठी बाबा की,पर्स में भी बाबा मतलब हर स्थूल वस्तु बाबामय होगी, पर दिल बाबा में लगता नहीं,पूरा समय देहभान वाली बातें,व्यर्थ की,तेरे मेरे की बातें,किसी की कमी कमजोरी का चिन्तन,निगेटिव ख्याल करते रहते हैं।

8–शरीर को ऐसे साधकर कितना – कितना समय बाबा रूम एवं झोपड़ी या शान्ति स्तम्भ पर बैठे रहते, लगता कि इनसे अच्छा तो कोई पुरूषार्थी है ही नहीं,और बाहर निकलते ही छोटी–छोटी बातों में ऐसी बहस कर लेते,कि वाणी पर कोई कन्ट्रोल ही नहीं,मन की साधना तो कुछ भी नहीं। आँगन में बैठ सबको देखते रहते और टीका टिप्पणी भी खूब कर लेते, हँसी मजाक भी खूब करते,योग के समय योग बाकी बुद्धि की चलायमानी भी खूब।

9–कहेंगे मधुबन निवासी और मुरली का कदर नहीं, क्लास व योग के समय घूमने जाते या कई डिपार्टमेन्ट में ही बैठे रहते जबकि काम कोई नहीं होता।

10–मधुबन के लगभग हर डिपार्टमेन्ट में टीवी ही नही डिस का कनेक्शन भी है और कई लोग तो उसे कबर्ड में बन्द कर रखते कि किसी को पता न चले कि हम टीवी भी देखते हैं,कोई तो कहेंगें कि अपने प्रोग्राम देखने के लिए है पर देखते तो कुछ और ही हैं क्या– क्या देखते रहते हैं। जबकि दूसरों को तो यही बताते होगें कि बाबा के साथ दादी भी सिनेमा को सिन की माँ कहती थी।

11–मधुबन निवासी का सर्टीफिकेट दिखाकर सम्मान खूब लेते रहते, पर वैराग्य जरा भी नहीं,स्वाद के वशीभूत होकर नित नई खाने की चीजें बनाते रहते, बड़े भण्डारे में जितने भी छोटे चूल्हों पर खाना बनता है और बहुत सारे डिपार्टमेन्ट्स में भी किचेन हैं जहॉ भोजन बनता है और उसका भोग भी नहीं लगता, बिना मालिक को अर्पण किये वो हर रोज खाते हैं जिसका खाते हैं उसी को ही नहीं पूँछते हैं।

12– दुनिया तरसती है मधुबन आने के लिए, कितना उपक्रम करते, मेहनत करके धन इक्ट्ठा करते कि साल में किसी तरह एक बार तो मधुबन पहुँच जाये और उसमें भी पाण्डव भवन के लिए कितना लालायित रहते, पर मधुबन वालों का मधुबन में रहते, मन बाहर दुनिया घूमने में लगा रहता या बाहर जाते किसी काम से पर उद्देश्य घूमने का ही बनाकर जाते हैं और बाहर पर्सनैलिटी ऐसी बनाकर जाते हैं कि पहचान में भी नहीं आते,ऐसे लगता है कि सिर्फ कपड़ों के ब्रह्माकुमार हैं।

13–कहेंगें कि हम इतने दिनों से समर्पित हैं और मन अभी भी लौकिक में घूमता है अभी तक भी लौकिक में जाते हैं या लौकिक वाले जब मधुबन आते हैं तो उनकी ही सेवा में लगे रहते हैं उनकी सेवा में बाकी सब सेवाएं बन्द कर, यज्ञ का कितनी चीजें उनमें लगाते वापस आने में कितनी टोली देते और बार–2 लौकिक घर में टोलियॉ भेजते रहते हैं। लौकिक भाई–बहनों को वहॉ बैठ कर सेट करते रहते हैं।

14–भगवान एक तो क्या 21 जन्मों की गैरन्टी लेते हैं पर मधुबन में बैठकर सबके सामने प्रतिज्ञा करते हैं कि भगवान जहॉ बिठायेंगें जो खिलायेंगें जो पहनायेंगें हम वही करेंगें,पर अन्दर से बाबा के इस बात पर विश्वाश न कर, खुद कोई धन्धा करते रहते हैं,कोई बैंक बैलेन्स हो,कोई पर्सनल प्रॉपर्टी तो जरूर होनी चाहिए।